

# मधुराष्टकम् का हिन्दी रूपांतरण

चरण-शरण मधुराधिपति,  
श्रीवृषभानु-कुमारि ।  
करो हरण त्रय-ताप का,  
श्रीगोविन्द-मुरारि ॥

मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

अधर-मधुर मुख मधुर-मधुर,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।  
है नयन, हास्य-भी-मधुर-मधुर,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

है वाणी-मधुर, चरित-मधुरम्,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।  
है वसन-मधुर थिरकन-मधुरम्,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

है चाल-मधुर अरु भ्रमण-मधुर,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।

है मुरली-मधुर मधुर-पदरज,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

कर-कमल-मधुर, हैं चरण-मधुर,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।

है नृत्य-मधुर, सब सखा-मधुर,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

है गान, पान-भोजन-मधुरम्,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।

है शयन-मधुर है रूप-मधुर,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

है तिलक-मधुर, सब काम-मधुर,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।  
जल मध्य तैरना अति-मधुरम्,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

है हरण-मधुर स्मरण-मधुर,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।  
उद्गार-हृदय के मधुर-मधुर,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

है शान्ति-मधुर गुञ्जा-मधुरम्,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।  
माला-मधुरम् यमुना-मधुरम्,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

कालिन्दी-लहरें हैं मधुरम्,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।

है नीर-मधुर अरविन्द-मधुर,  
मधुराधुपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

गोपियाँ-मधुर लीला-मधुरम्,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।  
संयोग मधुर है भोग-मधुर,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

है चितवन-मधुर कृपा-मधुरम्,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।  
हैं गोप-गवाल गौएँ मधुरम्,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

रचना अति-मधुर दलन-मधुरम्,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।  
परिणाम-दलन का भी मधुरम्,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

सब-कुछ मधुरम् मधुरम्-मधुरम्,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।  
बस एक 'अशोक' नहीं मधुरम्,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

हे दीनबन्धु करुणासागर,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।  
इस जग में कोई नहीं मेरा,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

कर-कमल बढ़ा निज हृदय लगा,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।

सुन भी ले अब राधा प्रियतम,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ॥

कह दो लेलें निज चरण-शरण,  
मधुराधिपते श्रीकृष्ण-हरे ।  
वृषभानुनन्दनी श्रीराधे,  
तव चरण 'अशोक' ये विनय करे ॥

वृषभानुनन्दनी श्रीराधे,  
तव चरण 'अशोक' ये विनय करे ॥

(रचना- अशोक कुमार खरे)

Source: <https://www.bharattemples.com/madhurashtakam-ka-hindi-roopantaran/>



# Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App  
[https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive\\_bhajans](https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive_bhajans)

Facebook: <https://www.facebook.com/bharattemples/>  
Telegram: <https://t.me/bharattemples>  
Youtube: <https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw>